कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 52 कानपुर, बुधवार 21 अगस्त 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

aswaroop.in

लॉस एंजेलिस ओलपिक में खेलना चाहता हूं: स्टीव स्मिथ 10

र्राज्य

रा अपराध
के क्रम में
साउथ के
न में व
क पुलिस
नौबस्ता
निकट
ण में एवं
प्रभारी के
में उ0नि0
जुबैर
था ड्यूटी,
वाहन व
दार्थ आदि
के पास
02 नफर
किया गया।
को अवगत
धारा 8/20
जेन्द्र प्रताप
भियुक्तगण
ालय भेजा
लखनऊ,
कई जिलो
न्य से कई
से अवैध
बार–बार

कृषकों को धान फसल हेतु वितरित किया खरपतवार नाशी दवा

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर संचालित निक्रा परियोजना की उप परियोजना एससी एसपी योजना अंतर्गत धान फसल हेतु खरपतवार नाशी किसानों को वितरित की गई। प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि धान की खेती में रोग एवं कीट के अलावा खरपतवार भी बहुत अधिक नुकसान पहुंचाते हैं यह धान की पैदावार पर भी असर डालते हैं उन्होंने कहा कि खरपतवार को समय पर नियंत्रण नहीं किया गया। तब धान के विकास पर प्रभाव पड़ता है इसके साथ ही खरपतवार की वजह से विभिन्न कीटों का भी आकर्षण होता है।जो धान की फसल के लिए नुकसानदायक है डॉक्टर सिंह ने बताया कि धान फसल में यदि सही समय पर खरपतवार नियंत्रण नहीं किया गया तो फसल को 25 से 30त्न तक नुकसान की संभावना होती है। उन्होंने बताया कि कृषकों को इस नुकसान से बचने के लिए अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत ग्राम औरंगाबाद में निक्रा परियोजना अंतर्गत धान फसल प्रदर्शन के लिए खरपतवार नियंत्रण विस्पायरीबैग दवा का वितरण किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान, पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी सहित लगभग 60 किसान उपस्थित रहे।

पुलिस

स

का
द्वारा था
को सम

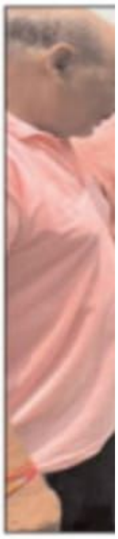

नीले फ
वृक्षारोप
कुमार
पर्यावरण
बनाए
नीले फ
जाते हैं,
पुलिस
वाले
पर्यावरण
बताया।
भागीदा
जागरूक
निरीक्षक

वर्ष 08, अंक 157, कानपुर, बुधवार, 21 अगस्त 2024
पृष्ठ- 08, मूल्य- 02 रुपये www.shashwattimes.com राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

शाश्वत टाइम्स

निक्रा परियोजना अंतर्गत कृषको को धान फसल हेतु वितरित किया खरपतवार नाशी दवा

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर संचालित निक्रा परियोजना की उप परियोजना एससी एसपी योजना अंतर्गत धान फसल हेतु खरपतवार नाशी किसानों को वितरित की गई। प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि धान की खेती में रोग एवं कीट के अलावा खरपतवार भी बहुत अधिक नुकसान पहुंचाते हैं यह धान की पैदावार पर भी असर डालते हैं उन्होंने कहा कि खरपतवार को समय पर नियंत्रण नहीं किया गया। तब धान के विकास पर प्रभाव पड़ता है इसके साथ ही खरपतवार की वजह से विभिन्न कीटों का भी आकर्षण होता है।जो धान की फसल के लिए नुकसानदायक है डॉक्टर सिंह ने बताया कि धान फसल में यदि सही समय पर खरपतवार नियंत्रण नहीं किया गया तो फसल को 25 से 30त्र तक नुकसान की संभावना होती है। उन्होंने बताया कि कृषकों को इस नुकसान से बचने के लिए अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत ग्राम औरंगाबाद में निक्रा परियोजना अंतर्गत धान फसल प्रदर्शन के लिए खरपतवार नियंत्रण विस्पायरीबैग दवा का वितरण किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान, पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी सहित लगभग 60 किसान उपस्थित रहे।

अमर उजाला 21/08/2024

सीएसए में सीट बढ़ाने के लिए शासन को लिखा पत्र

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में स्नातक और परास्नातक कोर्सों में सीटें फुल होने के बावजूद छात्र दाखिले के लिए चक्कर काट रहे हैं। इसे देखते हुए विवि प्रशासन ने पहली बार शासन को सीटें बढ़ाने के लिए पत्र लिखा है।

विवि में स्नातक और परास्नातक में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला यूपीकैटेट की काउंसलिंग से होता है। प्रदेश में चल रही यूपीकैटेट की काउंसलिंग से सीएसए की सभी सीट फुल हो गई हैं। प्रदेश के अन्य कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में अभी भी सीटें रिक्त हैं। छात्रों की लगातार आ रही मांग को देखते हुए विवि प्रशासन की ओर से शासन को पत्र भेजा गया है। पत्र में बढ़ी सीटों में दाखिला आईसीएआर (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) की परीक्षा के आधार पर लेने का प्रस्ताव दिया है। विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि छात्रों की लगातार आ रही मांग को देखते हुए शासन को सीट वृद्धि के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। (ब्यूरो)

डालर $ 1 रुपया ₹ 86.83

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सदैव सच के साथ..

समाज का साथी

SKS NEWS SAMAJ KA SATHI

samaj.ka.sathi@gmail.com

(वर्ष-10 अंक-51)

पृष्ठ -4 मूल्य : 2.00 रु.

बुधवार 21 अगस्त-2024

कानपुर नगर से प्रकाशित

कृषको को धान फसल हेतु वितरित किया खरपतवार नाशी दवा

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर संचालित निक्रा परियोजना की उप परियोजना एससी एसपी योजना अंतर्गत धान फसल हेतु खरपतवार नाशी किसानों को वितरित की गई। प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि धान की खेती में रोग एवं कीट के अलावा खरपतवार भी बहुत अधिक नुकसान पहुंचाते हैं यह धान की पैदावार पर भी असर डालते हैं उन्होंने कहा कि खरपतवार को समय पर नियंत्रण नहीं किया गया। तब धान के विकास पर प्रभाव पड़ता है इसके साथ ही खरपतवार की वजह से विभिन्न कीटों का भी आकर्षण होता है ।जो धान की फसल के लिए नुकसानदायक है डॉक्टर सिंह ने बताया कि धान फसल में यदि सही समय पर खरपतवार नियंत्रण नहीं किया गया तो फसल को 25 से 30त्न तक नुकसान की संभावना होती है। उन्होंने बताया कि कृषकों को इस नुकसान से बचने के लिए अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत ग्राम औरंगाबाद में निक्रा परियोजना अंतर्गत धान फसल प्रदर्शन के लिए खरपतवार नियंत्रण विस्पायरीबैग दवा का वितरण किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान, पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी सहित लगभग 60 किसान उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान 21/08/2024

सीएसए: प्रवेश फुल सीट बढ़ाने की मांग

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में स्नातक और परास्नातक की सभी सीट लगभग फुल हो गई। इसके बाद भी दाखिला लेने वाले छात्र-छात्राओं की पहली पसंद कानपुर बना हुआ है। इसे देखते हुए विवि प्रशासन ने पहली बार शासन को सीट में वृद्धि के लिए पत्र लिखा है।

विश्वविद्यालय में स्नातक और परास्नातक में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम में दाखिला यूपी-कैटेट की काउंसिलिंग से होता है। विवि कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया, छात्रों की लगातार आ रही मांग पर शासन को सीट वृद्धि का प्रस्ताव भेजा गया है।

email: shahardayaranews@gmail.com
दैनिक
शहर दायरा न्यूज
हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय
https://www.facebook.com/shahardayaranews/
वर्ष 9 अंक: 358 | कानपुर, बुधवार 21 अगस्त 2024 | पृष्ठ: 8 | मूल्य-2.00 ₹

कृषकों को धान फसल हेतु वितरित किया खरपतवार नाशी दवा

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर संचालित निक्रा परियोजना की उप परियोजना एससी एसपी योजना अंतर्गत धान फसल हेतु खरपतवार नाशी किसानों को वितरित की गई प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि धान की खेती में रोग एवं कीट के अलावा खरपतवार भी बहुत अधिक नुकसान पहुंचाते हैं यह धान की पैदावार पर भी असर डालते हैं उन्होंने कहा कि खरपतवार को समय पर नियंत्रण नहीं किया गया। तब धान के विकास पर प्रभाव पड़ता है इसके साथ ही खरपतवार की वजह से विभिन्न कीटों का भी आकर्षण होता है जो धान की फसल के लिए नुकसानदायक है डॉक्टर सिंह ने बताया कि धान फसल में यदि सही समय पर खरपतवार नियंत्रण नहीं किया गया तो फसल को 25 से 30% तक नुकसान की संभावना होती है। उन्होंने बताया कि कृषकों को इस नुकसान से बचने के लिए अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत ग्राम औरंगाबाद में निक्रा परियोजना अंतर्गत धान फसल प्रदर्शन के लिए खरपतवार नियंत्रण विस्पायरी बैग दवा का वितरण किया गया इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान, पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी सहित लगभग 60 किसान उपस्थित रहे

महानगर
वर्ष-3, अंक-351, पृष्ठः 12
मूल्यः एक रुपये

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

RNI/NO/UPHIN49792/16/4/2021

सच की अहमियत

हर सवेरे नया जोश

कानपुर | बुधवार, 21 अगस्त 2024 | कानपुर, लखनऊ, उत्तराखंड से एक साथ प्रकाशित | सूचना प्रसारण मंत्रालय एवं भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड

कृषकों को धान फसल हेतु वितरित किया खरपतवार नाशी दवा

पंकज अवस्थी, सच की अहमियत

कानपुर–सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर संचालित निक्रा परियोजना की उप परियोजना एससी एसपी योजना अंतर्गत धान फसल हेतु खरपतवार नाशी किसानों को वितरित की गई प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि धान की खेती में रोग एवं कीट के अलावा खरपतवार भी बहुत अधिक नुकसान पहुंचाते हैं यह धान की पैदावार पर भी असर डालते हैं उन्होंने कहा कि खरपतवार को समय पर नियंत्रण नहीं किया गया। तब धान के विकास पर प्रभाव पड़ता है इसके साथ ही खरपतवार की वजह से विभिन्न कीटों का भी आकर्षण होता है जो धान की फसल के लिए नुकसानदायक है डॉक्टर सिंह ने बताया कि धान फसल में यदि सही समय पर खरपतवार नियंत्रण नहीं किया गया तो फसल को 25 से 30त्न तक नुकसान की संभावना होती है। उन्होंने बताया कि कृषकों को इस नुकसान से बचने के लिए अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत ग्राम औरंगाबाद में निक्रा परियोजना अंतर्गत धान फसल प्रदर्शन के लिए खरपतवार नियंत्रण विस्पायरी बैग दवा का वितरण किया गया इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान, पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी सहित लगभग 60 किसान उपस्थित रहे।